केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संगठन)

CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

(An Autonomous Organisation Under the Ministry of Education, Govt. of India)

के.मा.शि.बो/प्रशिक्षण इकाई/2022 **दिनांक :05.09.2022**

"शिक्षक दिवस"

के.मा.शि.बो से संबद्ध सभी प्राचार्य/संस्थानों के प्रमुख I

वर्तमान युग 'ज्ञान आधारित समाज' (Knowledge societies) का युग है I अतः 21वीं सदी की युवा पीढ़ी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण है और सक्षम शिक्षक इस उद्देश्य की प्राप्ति में सबसे महत्वपूर्ण कारक हैं।

इस तथ्य को दशकों पहले भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ .सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने उल्लेखित किया था जो एक महान द्रष्टा, विद्वान और दार्शनिक थे। 5 सितंबर, 1888 को जन्मे डॉ .राधाकृष्णन का कथन था कि शिक्षक किसी भी देश की सबसे बहुमूल्य धरोहर हैं। समाज के लिए शिक्षकों द्वारा दिए गए योगदान को मान्यता देने के लिए उनका जन्मदिन भारत में हर साल शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसलिए यह अनिवार्य हो जाता है कि शिक्षित और विकसित समाज के सपने को साकार करने के लिए शिक्षकों का सशक्तिकरण किया जाए।

जिस प्रकार शिक्षा एक सतत प्रक्रिया है, उसी प्रकार शिक्षकों के ज्ञान और कौशल में वृद्धि भी एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी शिक्षकों के सशक्तिकरण के लिए एक वर्ष में 50 घंटे के सतत व्यावसायिक विकास) सीपीडी (सुनिश्चित करने की बात करती है। इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए, के.मा.शि.बो. प्रशिक्षण इकाई अपने 16 उत्कृष्टता केंद्रों के माध्यम से शिक्षकों के क्षमता संवर्धन के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करती है। इस संदर्भ में के.मा.शि.बो .से संबद्ध स्कूलों के सभी प्रधानाचार्यों से अनुरोध है कि वे अपने शिक्षकों को सक्षम, सशक्त और कुशल बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास करें। साथ ही, सभी विद्यालयों में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों के बहुमूल्य योगदान को सम्मान देना भी श्रेयस्कर है।

के.मा.शि.बो .प्रशिक्षण इकाई विद्यालयों से यह अपेक्षा करती है कि वे छात्रों की शिक्षा और समग्र विकास में उत्कृष्टता के लिए सदैव प्रयासरत रहें एवं भौगोलिक और व्यावहारिक बाधाओं के बावजूद शिक्षा के उच्चतम मानक स्थापित करने के लिए कटिबद्ध हों । इस प्रयास में के.मा.शि.बो. प्रशिक्षण इकाई और सभी 16 उत्कृष्टता केंद्र स्कूलों हेतु सहयोग निमित्त हमेशा साथ हैं। हम साथ मिलकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित शिक्षित और प्रबुद्ध समाज के सपने को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं ।

(डॉ .राम शंकर)
निदेशक (प्रशिक्षण)

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संगठन)
CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION
(An Autonomous Organisation Under the Ministry of Education, Govt. of India)

CBSE/Training Unit/2022 **Date: 05.09.2022**

"Teacher's Day"

All the Principals/ School Heads of CBSE affiliated Schools.

The present era belongs to Knowledge Societies with Quality Education being the fundamental pillar of this structure. Therefore, quality education is most essential for the 21st century youth and capable teachers are the most important factor in the pursuit of this objective. This truth was foreseen decades ago by Dr. Sarvapalli Radhakrishnan, India's former President, a great scholar and philosopher. Born on 5th September, 1888, he was far ahead of his time when he said that Teachers should be the best minds in the country. His birthday is celebrated in India as Teachers' Day every year to pay tribute to the contribution made by the teachers to the society. Therefore, it becomes obligatory that teachers are nurtured, groomed and empowered to realize the dream of an educated and evolved society.

Just as education is a continuous process, likewise, the knowledge and skill upgradation of teachers is also an ongoing process. The National Education Policy 2020 talks about ensuring 50 hours of Continuous Professional Development (CPD) in a year for the empowerment of teachers. To fulfill this requirement, CBSE Training Unit organizes Capacity Building Programmes for teachers through its 16 Centers of Excellence. In this context, all the Principals of CBSE affiliated schools are requested to make continuous efforts towards making their teachers capable, empowered and skilled. At the same time, it is worthwhile to recognize the valuable contribution of teachers on the occasion of Teachers' Day in all schools.

CBSE Training Unit looks forward to schools aiming for excellence in education and holistic development of its students. They should strive to break the barriers of geographical boundaries and functional hurdles to set the highest benchmarks of learning. In this endeavor, the CBSE Training Unit and all 16 Centers of Excellence are always by the schools in support and cooperation. Together, we will work in fulfilling the dream of an educated and enlightened society as envisioned in NEP 2020.

(Dr.Ram Shankar)
Director (Training)